

01471

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2015

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-010 : EPISTEMOLOGY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Give the traditional definition of knowledge. 20
Describe the role of intellect and senses in human knowledge.

OR

Explain in detail Aristotle's method of metaphysics. 20

2. What do you understand by inference as a source of knowledge ? Explain 'Anumana' in Indian Philosophy. 20

OR

In what way does critical theory influence German idealism ? Explain. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Explain the Nyaya view of perception. **10**
 - (b) Describe the significance of the 'mirroring mind' in Rene Descartes. **10**
 - (c) Explain the ecological approach to perception. **10**
 - (d) Give an account of Foundationalism. **10**
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Analyse Kantian 'a priori' and 'a posteriori' knowledge. **5**
 - (b) Explain 'Ordinary' perception. **5**
 - (c) Describe the significance of Coherentism. **5**
 - (d) What is naturalized epistemology ? **5**
 - (e) Explain briefly Locke's theory of knowledge. **5**
 - (f) What is the significance of the term 'Critical' in critical theory ? **5**
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Truth is universal **4**
 - (b) Feminist Epistemology **4**
 - (c) Hume's Fork **4**
 - (d) Belief **4**
 - (e) Synthetic a priori **4**
 - (f) Sphota Theory **4**
 - (g) Inductive Generalization **4**
 - (h) Sense data **4**
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

-
- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।
-

1. ज्ञान को विस्तार से परिभाषित कीजिए। मानव-ज्ञान में बुद्धि और इन्द्रियों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20
अथवा
अरस्तू की तत्वमीमांसीय पद्धति की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20
2. ज्ञान के साधन के रूप में अनुमान से आप क्या समझते हैं? 20
भारतीय दर्शन में प्रस्तावित 'अनुमान' की व्याख्या कीजिए।
अथवा
आलोचनात्मक सिद्धान्त ने जर्मन प्रत्ययवाद को किस प्रकार प्रभावित किया है? विस्तार से समझाएँ। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :
- (a) न्याय दर्शन के प्रत्यक्ष की अवधारणा की व्याख्या करें। 10
- (b) देकार्त के दर्शन में 'परावर्ती मन (mirroring mind)' के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10
- (c) प्रत्यक्ष के पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण की व्याख्या करें। 10
- (d) आधारभूतवाद का वर्णन कीजिए। 10
4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
- (a) काँट के पूर्वानुभविक एवं उत्तरानुभविक ज्ञान का विश्लेषण कीजिए। 5
- (b) 'साधारण प्रत्यक्ष' की व्याख्या करें। 5
- (c) संगततावाद के महत्व का वर्णन कीजिए। 5
- (d) अनुकूलित (naturalized) ज्ञानमीमांसा क्या है? 5
- (e) लॉक के ज्ञान-सिद्धान्त की संक्षिप्त व्याख्या करें। 5
- (f) आलोचना सिद्धांत में 'आलोचना' शब्द का क्या महत्व है? 5
5. किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :
- (a) सत्य सार्वभौमिक है 4
- (b) स्त्रीवादी ज्ञानमीमांसा 4
- (c) ह्यूम का द्विशाखन (Fork) 4
- (d) विश्वास 4
- (e) संश्लेषित पूर्वानुभविक 4
- (f) स्फोट सिद्धान्त 4
- (g) आगमनात्मक सामान्यीकरण 4
- (h) इन्द्रिय प्रदत्त/संवेद 4